फिल्म्स डिवीजन
सूचना और प्रसारण मंत्रालय,
भारत सरकार, 24- डॉ जी देशमुख मार्ग
मुंबई - 400026

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>
दिनांक 22 सितम्बर, 2020

<u>नृत्यांजलि - भारतीय शास्त्रीय नृत्य और नृत्य गुरुओं पर एक विशेष प्रस्तुति</u>

भारतीय शास्त्रीय नृत्य, विभिन्न प्रदर्शन कलाओं के लिए एकछत्र शब्द है, जिसके सिद्धांत और अभ्यास का पता संस्कृत के पाठय "नाट्य-शास्त्र" से लगता है, जिसके मूल ग्रंथ का श्रेय प्राचीन विद्वान भरत मुनि को दिया जाता है। भारतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी, ओडिसी, कथकली, सतरिया, मणिपुरी और मोहिनी अट्टम जैसे प्रमुख नृत्यरूप, पारंपरिक रूप से क्षेत्रीय हैं, इन सभी में स्थानीय भाषाओं के साथ संस्कृत में संगीत और गायन शामिल हैं और वे विविध विचारों की एक एकता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

फिल्म्स प्रभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन फिल्मोत्सव, 'रागोत्सव' की जबरदस्त सफलता के बाद, भारतीय शास्त्रीय नृत्य व नृत्य गुरुओं पर आधारित १० विशेष फिल्मों का तीन दिवसीय ऑनलाइन फिल्म फेस्टिवल "*नृत्यांजलि* " के पहले भाग का आयोजन 23 से 25 सितंबर, 2020 के बीच फिल्म्स प्रभाग की वेबसाइट और You Tube चैनल पर किया जाएगा ।

नृत्यंजलि फिल्मोत्सव का शुभारंभ "सितार देवी" (20 मिनट /1995/अमर वर्मा) के स्क्रीनिंग के साथ किया जाएगा, जो सितार देवी के कथक नृत्य जीवन पर आधारित है, जिन्हे रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा कथक की रानी के रूप में चित्रित किया गया है। इसके पश्चात, "यामिनी कृष्णमूर्ति" (20 मिनट/ 1981/ बलवंत गार्गी) - जो प्रमुख भारत नाट्यम एक्सपोनेन्ट हैं, जो ओडिसी और कुचिपुड़ी नृत्य में भी निपुण हैं, के अलावा "राजा-राधा" (22 मिनट / 1989/ कुंवर सिन्हा) -कुचिपुड़ी नर्तक-युगल राजा और राधा रेड्डी की जीवनी पर एक फिल्म है, जिन्होंने पारंपरिक कुचिपुड़ी नृत्य को नया आयाम दिया है, का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा ।

इसके साथ ही "गुरु अमुबी सिंह" (17 मिनट / 1976/ आशीष मुखर्जी), मणिपुरी नृत्य के पितामह पर एक फिल्म, जो गुरु की प्रकृति की सहज लय के आधार पर नृत्य की शानदार शैली को प्रदर्शित करती है, के अलावा "ए ल्यूमिनीयस ज्वेल -बिरजू महाराज" (95 मिनट/1980/ वी.बी.चंद्रा), कथक के सबसे बड़े प्रतिपादकों में से एक पंडित बिरजू महाराज के जीवन और कला को व्यापक रूप से दर्शाते हैं, का भी प्रदर्शन किया जाएगा ।

.....२/-

ई-स्क्रीनिंग की निरंतरता में आगे, "कलामंडलम गोपी" (43min./1999/ अडूर गोपालकृष्णन), प्रख्यात कथकली कलाकार, कलामंडलम गोपी की कला और जीवन पर, जो सदाचारी 'पच्चा' भूमिकाओं के रोमांटिक और नाटकीय चित्रण के लिए जाने जाते हैं, एवं "पद्मा" (35 मिनट /1998/ सुरेश मेनन), एक प्रशंसित भारत नाट्यम नृत्यांगना डॉ. पद्मा सुब्रमण्यम जो एक शोध विद्वान, कोरियोग्राफर, संगीतकार, इंडोलॉजिस्ट और प्रतिनिधि शिक्षक हैं, पर एक बायोपिक है जो उनके जीवन और कला के बारे में बात करते हैं, दिखलाई जाएगी ।

अन्य विशेष प्रदर्शित फिल्मों में "कनक रेले" (22 मिनट /1997/जी एल भारद्वाज) -शास्त्रीय नृत्य प्रतिपादक एवं कोरियोग्राफर डॉ. कनक रेले पर एक जीवनी है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोहिनी अट्टम के प्रतिपादक के रूप में जानी जाती हैं और नालंदा नृत्य अनुसंधान केंद्र -मुंबई के संस्थापक-निदेशक हैं तथा "सोनल" (60 मिनट/2004/ प्रकाश झा) -सोनल मानसिंह, जो एक प्रख्यात भरतनाट्यम और ओडिसी नृत्यांगना हैं और जो कुचिपुड़ी और छाऊ जैसे अन्य नृत्यरूपों में भी समान रूप से निपुण हैं, पर एक बायोपिक है, के अलावा "ड्रीमर-स्वप्न सुंदरी" (29 मिनट./1998/बाबा माजगावकर), स्वप्न सुंदरी के जीवन पर आधारित एक फिल्म है, जो कुचिपुड़ी और भरतनाट्यम की प्रतिपादकों में से एक हैं और जो द वर्ल्ड ऑफ कुचिपुड़ी डांस और शास्त्रीय नृत्य की जड़ों को ट्रेस करने जैसी किताबें भी लिखती हैं, का प्रदर्शन प्रेक्षकों के लिए आकर्षणपूर्ण होगा ।

इन सभी वृत्तचित्रों को तीन दिनों के लिए एक साथ, 23 से 25 सितंबर -2020 तक, फिल्म प्रभाग की वेबसाइट www.filmsdivision.org/ Documentary of the Week एवं https://www.youtube.com/user/FilmsDivision पर स्ट्रीमिंग किया जाएगा।

- फिल्म्स डिवीजन
022-23522252/ 09004035366
publicity@filmsdivision.org

****